



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 96 ]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 11, 2001/चैत्र 21, 1923

No. 96]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 11, 2001/CHAITRA 21, 1923

महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2001

सं. टीएएमपी/4/98-विविध.—महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48, 49 और 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार अमेरिकी डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रशुल्कों का भारतीय रूपए में परिवर्तन करने से संबंधित 27 नवम्बर, 2000 के अपने आदेश में संशोधन करता है और महापत्रन न्यासों द्वारा बिल बनाने के समय अमेरिकी डॉलर मूल्य-वर्ग के कंटेनर प्रभारों के परिवर्तन की प्रक्रिया भी निर्धारित करता है।

अनुसूची

मामला सं. टीएएमपी/4/98-विविध

आदेश

(मार्च, 2001 के 28वें दिन पारित किया गया)

इस प्राधिकरण ने महापत्रन न्यासों द्वारा बिल बनाने के समय अमेरिकी-डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रशुल्कों का भारतीय रूपए में परिवर्तन करने के बारे में 27 नवम्बर, 2000 को सभी महापत्रनों द्वारा समान रूप से अपनाने के लिए एक आदेश पारित किया था। यह आदेश भारत के राजपत्र में 3 जनवरी, 2001 को प्रकाशित किया गया था।

2. उपर्युक्त आदेश के पैरा 7 (i) में, बिल बनाने के समय डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रशुल्कों का भारतीय रूपयों में परिवर्तन करने के प्रयोजन से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दैनिक दर लागू करने की वर्तमान पद्धति को जारी रखने की अनुमति दी गई थी।

3. तूतीकोरिन पत्रन न्यास ने सूचित किया है कि जमा-राशियों की समयानुसार वसूली और खिलों के निपटारे के लिए तूतीकोरिन में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की दैनिक दर प्राप्त करना संभव नहीं है। अतः टीपीटी ने भारतीय स्टेट बैंक से प्रतिदिन प्राप्त बाजार खरीद विनियम दर अपनाने का सुझाव दिया है।

4. यह देखा गया है कि अधिकांश पत्रनों ने डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रशुल्कों वाले बिल बनाने के प्रयोजन से अपने मुख्य महाजनों (बैंकों) द्वारा उद्दृत बाजार खरीद विनियम दर लागू की है। इन पत्रनों में यह पद्धति काफी समय से प्रचलन में है; और बताया गया है कि उन्हें इस व्यवस्था कोई समस्या नहीं है। इस प्राधिकरण के आदेश में वर्णित वर्तमान पद्धति में यह प्रणाली भी शामिल है। इसके अलावा, संदर्भित आदेश में स्पष्ट रूप से नहीं कहा गया है कि पत्रन डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रशुल्कों वाले बिल बनाने के लिए 'खरीद दरें' लागू करेंगे अथवा 'बिक्री दरें'।

5. इस परिप्रेक्ष्य में और समग्र विचार-विमर्श के आधार पर यह प्राधिकरण एतद्वारा 27 नवम्बर, 2000 के अपने आदेश में निम्नलिखित संशोधन करता है :

आदेश के वर्तमान पैरा सं. 7 (i) को हटा कर उसके स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाता है :

“7(i) पत्तनों के सुझावों को ध्यान में रखते हुए, बिल बनाने के समय डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रशुल्कों का भारतीय रूपयों में परिवर्तन करने के प्रयोजन से भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और इसकी सहायक संस्थाओं अथवा अन्य किसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा अधिसूचित, दरों के मान में विनिर्दिष्ट अनुसार, बाजार खरीद विनिमय दरों साथू करने की वर्तमान पद्धति जारी रहेगी।”

6. अमेरिकी डॉलर मूल्य-वर्ग के कंटेनर संबंधी प्रभारों के संबंध में यह देखा गया है कि महापत्तनों द्वारा बिल बनाने के समय ऐसे प्रभारों के भारतीय रूपयों में परिवर्तन करने के प्रयोजन से एक समान दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा रहा है। यह प्राधिकरण परिवर्तन की निम्नलिखित प्रक्रिया निर्धारित करता है :

“कंटेनर संबंधी अमेरिकी डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रभार समकक्ष भारतीय रूपयों में बसूल किए जाएंगे। इस प्रयोजन से, कंटेनरों के आयात के मामले में जलयान के प्रवेश की तारीख को और कंटेनरों के नियात के मामले में कंटेनरों के पत्तन परिसर में पहुंचने की तारीख को प्रचलित बाजार खरीद दर डॉलर मूल्य-वर्ग के प्रभारों के परिवर्तन के लिए लागू होगी।”

7. सभी महापत्तन न्यासों को अपनी दरों के मान में उपर्युक्त प्रावधान शामिल करने का निर्देश दिया जाता है।

एस. सत्यम, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/143/2001/असा.]

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 11th April, 2001

No. TAMP/4/98-Misc.—In exercise of the powers conferred by Sections 48, 49 and 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby amends its Order dated 27 November, 2000 relating to re-conversion of US dollar denominated tariffs into Indian rupees and also prescribes the procedure for re-conversion of container charges denominated in US dollar terms at the time of billing by the Major Port Trusts, as in the Order appended hereto.

### SCHEDULE

#### Case No. TAMP/4/98-Misc.

### ORDER

(Passed on this 28th day of March, 2001)

This Authority had passed an Order on 27 November 2000, about re-conversion of US dollar denominated tariffs into Indian Rupee at the time of billing by the Major Port Trusts, for common adoption by all the Major Port Trusts. The Order was published in the Gazette of India on 3 January 2001.

2. In Paragraph 7(i) of the above Order, the existing practice of applying the RBI daily rate was allowed to be continued for the purpose of conversion to Indian rupees of dollar denominated tariffs at the time of billing.

3. The Tuticorin Port Trust has informed that it is not possible to obtain the daily rate of RBI at Tuticorin for timely collection of deposits and settlement of bills. The TPT has, therefore, suggested for adoption the market buying exchange rate obtained every day from the State Bank of India.

4. It has been observed that most of the ports apply the market buying exchange rates quoted by their main bankers for the purpose of billing involving dollar denominated tariffs. This practice has been in vogue in these Ports for a very long time; and, reportedly, they are not facing any problem with this arrangement. The existing practice referred to in this Authority's Order includes this system also. Further, the Order in reference does not explicitly

5. In this backdrop, and based on a collective application of mind, this Authority hereby modifies its Order dated 27 November 2000 as given below:

The existing paragraph No.7(i) of the Order is deleted and substituted by the following:

"7(i). Bearing in mind the suggestions of the Ports, the existing practice of applying the market buying exchange rates notified by the Reserve Bank of India, State Bank of India or its subsidiaries or any other public sector banks, as specified in the Scale of Rates, shall continue for the purpose of conversion to Indian rupees of dollar denominated tariffs at the time of billing".

6. In respect of container related charges denominated in US dollar terms, it has been noticed that no common approach is followed by the major ports for the purpose of re-conversion of such charges in Indian rupees at the time of billing. This Authority prescribes the following procedure for re-conversion:

" Container related charges denominated in US dollar terms shall be collected in equivalent Indian rupees. For this purpose, the market buying rate prevalent on the date of entry of the vessel in case of import containers and on the date of arrival of containers in the port premises in case of export containers shall be applied for re-conversion of dollar denominated charges".

7. All the major port trusts are directed to incorporate the above provisions in their Scale of Rates appropriately.

S. SATHYAM, Chairman

[ADVT III/IV/143/2001/Exty ]

